AKHILESH KUMAR (G. T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

FOR-LNMU -B.com part – 1 Subsidiary Paper- 2

Business management and communication

Unit- iv Communication

Easy to Understand the concept

AKHILESH KUMAR (G. T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

(SWOT ANALYSIS) स्वाट विश्लेषण

किसी व्यक्ति , संस्था , अथवा व्यवसाय को उसकी वास्तविकता से अवगत कराने अर्थात् उनकी शक्तियों ,कमियों , अवसरों , कठिनाइयों को विश्लेषित करने के लिया जो तकनीक प्रयोग की जाती है , उसे SWOT विश्लेषण कहा जाता है |

यह विश्लेषण किसी व्यवसाय द्वारा आंतरिक एंव बाह्य वातावरण को समझने के लिए किया जाता है इससे संस्था की संगठनात्मक रणनीति तैयार करने में सहायता मिलती है |

अत: स्पष्ट है की एक कम्पनी की शक्तियों , दुर्बलताओं , अवसादों व कठिनाइयों सम्बन्धी सम्पूर्ण मूल्यांकन ही स्वाट विश्लेषण कहलाता है |

स्वाट (SWOT) निम्नकिंत चार शब्दों से मिलकर बना है -

AKHILESH KUMAR (G. T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

SWOT ANALYSIS

इस विश्लेषण के अनुसार ," एक प्रभावपूर्ण संगठनात्मक रणनीति वह कहलाती है जिसमे एक व्यवसाय अपनी तमाम शक्तियों का प्रयोग करके अपने अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठता है एंव विधमान - कमजोरियों के प्रभाव को न्यूनतम करके समस्याओं को प्रभावहीन बना देता है |"

अन्य शब्दों में , " स्वाट विश्लेषण एक व्यवसाय को प्राप्त अवसरों का अधिकाधिक लाभ लेकर अपनी क्षमता का अधिकतम प्रयोग करना सिकता है |" इस तरह से अक्षमताओं

को कम कर तमाम समस्याओं व कठिनाइयां को व्यवसाय से दूर रखा जाता है |

(COMPONENTS OF SWOT ANALYSIS) स्वोट विश्लेषण के अंग

स्वोट विश्लेषण के प्रमुख अंग निम्नलिखित है -

(1) वातावरण (Environment) - वातावरण से आशय उन परिस्थितियों, घटनाओं एवं प्रभावों से है जिसके अन्तर्गत व्यवसाय अपना कार्य करता है | वह वातावरण निम्न दो प्रकार का सकता है -

(A) आन्तरिक वातावरण (Internal Environment) - वह व्यवसायिक स्थितियाँ जिसके अंतर्गत व्यवसाय किया जा रहा है उन्हें व्यवसाय का आन्तरिक वातावरण कहते है | यह तत्व जहां

व्यवसाय को शक्ति प्रदान करते है वही उसको दुर्बल भी बनाते है |

(B) बाह्य वातावरण (External Environment)- ऐसे तत्व जो व्यवसाय को बाहर से प्रभावित करते है जैसे गला काट प्रतिस्पर्धा, सरकार की औधोगिक नीति, कर नीति, विदेशी व्यापार नीति आदि बाह्य वातावरण कहलाते है | इसी वातावरण के कारण व्यवसाय को अवसर भी मिलते है और कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है |

(2) शक्ति तथा क्षमताएँ (Strengths) - व्यावसायिक संगठन में विघमान ऐसे तत्व जिनके प्रयोग से व्यवसाय

अधिक अर्जित कर सकता है जैसे प्रबन्धको की योग्यता, शोध सुविधाएँ, पूँजी की मात्रा आदि उसकी मात्रा शक्ति तथा क्षमताएँ कहलाती है | प्रत्येक व्यवसाय की स्वयं में विघमान शक्तियों व क्षमताएँ का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए |

(3) दुर्बलताएँ (Weaknesses) - व्यवसाय में कुछ सीमाएँ भी होती है जो दुर्बलताएँ का कारण बनाती है, जैसे कच्चे माल के लिए दूसरे व्यापारी पर निर्भर होना आदि दुर्बलताएँ व्यवसायी के कार्य की सीमा तय कर देती है तथा कभी-कभी हानि का कारण भी बन जाती है |

(4) **अवसर (Opportunities) -** एक व्यवसाय के वातावरण में स्थित सभी अनुकूल परिस्थितियों ही अवसर कहलाती है | ये परिस्थितियाँ ही व्यवसाय को अपने प्रतिद्वंदी का सामना करने व् स्वयं को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है | प्रत्येक व्यवसाय को यह जानकारी होनी चाहिए की वातावरण द्वारा प्रदत्त अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम है या नहीं |

(5) **चुनौतियां (Threats) -** संगठन में विघमान विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यवसाय के लिए चुनौतियाँ व समस्याएँ कहलाती है जैसे - क्षमा, असन्तोष, सरकारी नीतियों में प्रतिकूल परिवर्तन आदि | अत: स्पष्ट है की SWOT Analysis व्यवसाय के वातावरण को समझने के लिए एक सुव्यवस्थित तरीका है |

AKHILESH KUMAR (G. T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

Easy to Understand the concept